विक्की ने दी राजा शिवाजी फिल्म की टीम को शुभकामनाएं

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल ने रितेश देशमुख से खास मुलाकात की है. जियो स्टूडियोज़ और मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म 'राजा शिवाजी' अब अपनी रिलीज़ के बेहद करीब है. इसी बीच दर्शकों को एक खास और यादगार पल देखने को मिला, जब 'छावा' और छत्रपति शिवाजी महाराज एक ही फ्रेम में साथ दिखाई दिए. एक खास मुलाकात के दौरान विक्की कौशल ने रितेश विलासराव देशमुख से मुलाकात की, जो 'राजा शिवाजी' में लीड, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और राइटर चारों भूमिकाएं निभा रहे हैं.

दोनों के बीच फिल्म को लेकर गहरी बातचीत होती दिखी, जहां रितेश देशमुख ने एक साथ कई जिम्मेदारियां संभालने, हिंदी और मराठी फिल्म इंडस्ट्री के मजबूत कलाकारों को साथ लाने और एक द्विभाषी फिल्म की शूटिंग के अनुभवों के बारे में खुलकर बात की. वहीं, विक्की कौशल ने भी रितेश और पूरी टीम को फिल्म के लिए दिल से शुभकामनाएं दीं. मेकर्स ने उनकी इस मुलाकात की एक झलक शेयर की है, जबकि पूरा वीडियो जल्द सामने आएगा.

इस फिल्म में हिंदी और मराठी सिनेमा के कई बड़े कलाकार एक साथ नजर आएंगे, जिनमें संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जिनिलीया देशमुख शामिल हैं. फिल्म की कमान खुद रितेश देशमुख के हाथों में है, जिन्होंने इसे लिखा, निर्देशित, प्रोड्यूस और लीड भी किया है.

जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत 'राजा शिवाजी', मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले बनी है और इसे ज्योति देशपांडे और जिनिलीया देशमुख ने प्रोड्यूस किया है.

भंसाली की फिल्म में होगा भव्य गाना शूट

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के एक भव्य गाने की शूटिंग मई की शुरुआत में शुरू हो सकती है. भारतीय सिनेमा के सबसे दिग्गज निर्देशकों में से एक, संजय लीला भंसाली, अपने अब तक के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं. 'लव एंड वॉर' नाम की इस फिल्म में पहली बार बॉलीवुड के तीन बड़े सितारे रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में एक साथ नजर आएंगे. एक भव्य ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में देखी जा रही यह फिल्म पहले से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है.

फिल्म की शूटिंग फिलहाल पूरे जोरों पर है. भंसाली इसे एक शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. इसी बीच, सूत्रों से पता चला है कि 'लव एंड वॉर' अब एक बड़े गाने

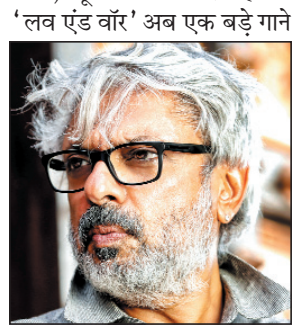

की शूटिंग की तैयारी कर रही है, जिसके आने वाले दिनों में शुरू होने की उम्मीद है.

सूत्र ने खुलासा किया, ''लव एंड वॉर' के एक गाने का शूटिंग शेड्यूल मई की शुरुआत में शुरू होने वाला है.

मर्दानी 3 का सफर बेहद भावनात्मक : रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि उनके लिये मर्दानी 3 का सफर बेहद भावानात्मक रहा है.

फिल्म मर्दानी 3 को यश राज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म में रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं. यह फिल्म स्ट्रीमिंग पर एक बड़ी सफलता के रूप में उभरी है. फिल्म अपनी मजबूत थिएट्रिकल रन के बाद 30 दिनों तक नेटफ्लिक्स पर ट्रेंड करती रही. मर्दानी 3 ने कल नेटफ्लिक्स पर 30 दिन पूरे किए, जो इस चर्चित फ्रेंचाइज़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो देश की एकमात्र सफल महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ बनी हुई है.

रानी मुखर्जी ने कहा, 'मेरे लिए मर्दानी 3 का सफर बेहद भावनात्मक है, क्योंकि इसने हर जगह दर्शकों से जुड़ाव बनाया है.पहले सिनेमाघरों में और अब दुनिया भर में नेटफ्लिक्स पर. फिल्म का थिएट्रिकल रन बहुत मजबूत रहा, इसने महिला-प्रधान एक्शन फिल्म और फ्रेंचाइज़ के लिए कई मील के पत्थर पार किए, और आज इसे पूरे एक महीने तक स्ट्रीमिंग पर टॉप फिल्मों में ट्रेंड करते देखना बेहद विनम्र करने वाला अनुभव है. यह सफलता एक बदलाव को दर्शाती है कि दर्शक अब हर प्लेटफॉर्म पर ताकतवर महिला-प्रधान कहानियों को अपना रहे हैं. यह साबित करता है कि उद्देश्यपूर्ण कंटेंट, साहस, न्याय और वास्तविक मुद्दों पर आधारित कहानियां न सिर्फ व्यावसायिक रूप से सफल हो सकती हैं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी प्रभावशाली होती हैं.

एक महिला-प्रधान एक्शन फिल्म का सिनेमाघरों में मजबूती से टिके रहना और फिर हफ्तों तक स्ट्रीमिंग पर टॉप पर ट्रेंड करना एक बात साफ बताता है: दर्शक ताकत, उद्देश्य और सच्चाई से प्रेरित कहानियां चाहते हैं. इस तरह की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है.

पुलकित सम्राट का बड़ा खुलासा

वर्क कमिटमेंट में छूटा हनीमून प्लान

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट के लिए 'ग्लोरी' के किरदार को जीवंत करना सिर्फ शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण नहीं था, बल्कि इसके लिए उन्हें एक बड़ी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी थी.

'ग्लोरी' में अपने किरदार की तैयारी में लगे पुलकित लगभग दो साल तक अपनी कड़ी ट्रेनिंग और व्यस्त शेड्यूल में इस कदर डूबे थे कि उन्हें अपने और अपने परिवार के लिए बहुत कम समय मिल पाता था. इस दौर को याद करते हुए उन्होंने विशेष रूप से न सिर्फ अपनी पत्नी कृति खरबंदा के अटूट समर्थन के बारे में बात की, बल्कि अपनी शादीशुदा ज़िंदगी पर खुलकर बात की.

पुलकित ने कहा, 'ग्लोरी' के लिए सबसे बड़ा त्याग जो रहा वो था शादी के बाद हमारा हनीमून, जहां हम चाहकर भी नहीं जा पाए. जब हमारी शादी हुई थी, तब कृति, 'राणा नायडू' की तैयारी में व्यस्त थीं और हमारी शादी के तीन दिन बाद ही सेट पर लौट गई थीं. जैसे ही 'राणा नायडू' की शूटिंग खत्म हुई, फिर मैं करण (अंशुमान) के साथ 'ग्लोरी' के सेट पर चला गया.'

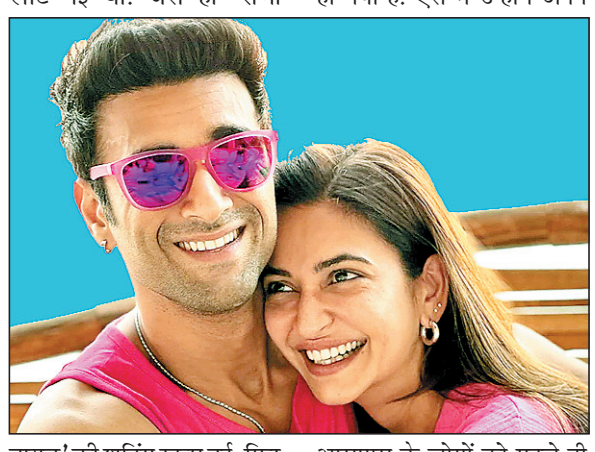

अब जबकि एक मई को रिलीज़ होने जा रही 'ग्लोरी' की रिलीज़ डेट नज़दीक है, तब पुलकित का शेड्यूल और व्यस्त हो गया है. ऐसे में उन्होंने अपने आसपास के लोगों को पहले ही बता दिया है कि रिलीज़ के दौरान वे किसी के लिए बिल्कुल उपलब्ध नहीं रहेंगे.

'इंडिया हाउस' के लिए सई की तैयारी

अभिनेत्री सई एम मांजरेकर अपनी आने वाली फिल्म इंडिया हाउस के साथ एक नए सिनेमाई स्पेस को एक्सप्लोर कर रही हैं. यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर पर आधारित है और उस समय की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को दिखाती है. फिल्म का लुक पहले ही सामने आ चुका है, और सई ने इस पीरियड फिल्म पर काम करने का अपना अनुभव साझा किया.

अपने अनुभव के बारे में सई ने कहा, 'किसी अलग दौर पर आधारित फिल्म पर काम करना बहुत दिलचस्प होता है. उस समय का माहौल, भाषा, कला और फैशन सब कुछ अलग होता है, जो सेट पर काम करने को और खास बना देता है. एक एक्टर के तौर पर आपको धीमे होकर चीजों को अलग तरीके से समझना पड़ता है, क्योंकि उस समय लोग कैसे बात करते थे, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते थे, सब कुछ आज से काफी अलग था.कॉस्ट्यूम और पूरा माहौल भी आपको उसी दुनिया में बनाए रखने में मदद करता है, जिससे परफॉर्मेंस और बेहतर होती है. मेरे लिए यह एक सीखने वाला अनुभव रहा है.उस समय की सोच को समझना और उसे अपने किरदार में ईमानदारी के साथ लाना.'

साई पल्लवी ने 'एक दिन' की टीम को कहा शुक्रिया

अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म एक दिन में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए पूरी टीम का आभार जताया है.

साई पल्लवी ने आमिर खान और फिल्म से जुड़े सभी लोगों का दिल से धन्यवाद करते हुए इस सफर को बेहद सुखद और भावनात्मक बताया. उन्होंने कहा, 'आमिर सर, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया. जब आप प्यार के बारे में बात करते हैं और आपके चेहरे पर जो चमक आती है, उसे देखना वाकई शानदार था. अपनी पहली हिंदी फिल्म को लेकर मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन यह अनुभव बेहद खूबसूरत रहा.'

साई पल्लवी ने अपने सह-कलाकार जुनैद खान की भी तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना काफी सहज और आनंददायक रहा. साई पल्लवी ने पूरी टीम के प्रति अपना आभार जताते हुए कहा कि उनके दिल में सभी के लिए ढ़ेर सारा प्यार है.

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है, जबकि इसका निर्माण आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने मिलकर किया है.यह फिल्म एक मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

फिल्म 'गोंधळ' सात भाषाओं में मचाएगी धमाल

निर्देशक संतोष डावखर की फिल्म 'गोंधळ' सात भाषाओं में धमाल रिलीज होगी.मराठी सिनेमा के लिए ये किसी 'ब्लॉकबस्टर मोमेंट' से कम नहीं है. निर्देशक संतोष दावखर की फिल्म 'गोंधळ' अब सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि ग्लोबल स्टेज पर चमकने वाला एक बड़ा सिनेमैटिक इवेंट बन चुकी है. इस फिल्म को हाई-टेक विजुअल डबिंग टेक्नोलॉजी के जरिए सात भाषाओं में डब किया गया है और खास बात ये है कि ये दुनिया की पहली फिल्म है जो 100 प्रतिशत विजुअल डबिंग के साथ तैयार हुई है. अब मराठी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और इंग्लिश में भी यह फिल्म रिलीज होगी. शुरुआत से ही 'गोंधळ' अपनी अलग कहानी और दमदार नैरेटिव के लिए चर्चा में रही है.

मई से शुरू होगा 'संकट मोचन हनुमान'

चैनल सोनी पल ने नया शो संकट मोचन हनुमान के प्रसारण की घोषणा की है.

यह शो 4 मई से रात 9 बजे सोनी पल पर प्रसारित होगा.यह एक कालजयी पौराणिक धारावाहिक है, जो पीढ़ियों से लोगों को प्रेरित करता रहा है. सोनी पल पर इसके शुरू होने के साथ दर्शकों को भगवान हनुमान की साहसिक यात्रा को एक बार फिर नए अंदाज में देखने का अवसर मिलेगा.इस महाकाव्य के केंद्र में भक्ति, शक्ति और साहस के सच्चे 'सुपरहीरो' भगवान हनुमान हैं. उनकी जीवन यात्रा वीरता और अटूट निष्ठा से भरी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को गहराई से जोड़ती है और उन्हें आस्था, धर्म व निस्वार्थ सेवा जैसे शाश्वत मूल्यों की याद दिलाती है. यह कहानी भगवान हनुमान की उस अद्भुत यात्रा को दिखाती है, जहाँ वे निडर रक्षक के रूप में सामने आते हैं. भगवान राम के प्रति उनकी भक्ति असीम है और बुराई के खिलाफ उनका साहस बेजोड़ है. शानदार दृश्यों और दमदार कहानी के साथ यह सिर्फ एक धारावाहिक नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक अनुभव है, जो दिल और आत्मा को छू जाता है.

कृषि जगत

आम खाओ, ठंडक पाओ

आम को फलों का राजा कहा जाता है और गर्मी के मौसम में इसका सेवन शरीर के लिए बेहद लाभकारी होता है. यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भरपूर होता है. आम में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर और कई प्रकार के खनिज तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने और रोगों से लड़ने में मदद करते हैं. तेज गर्मी में जब शरीर जल्दी थक जाता है, तब आम का सेवन तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है और शरीर को ताजगी देता है.

गर्मी के मौसम में आम शरीर को ठंडक पहुंचाने में भी मदद करता है, खासकर कच्चे आम का उपयोग. कच्चे आम से बना पना (आम का शर्बत) लू से बचाव करने में बहुत प्रभावी माना जाता है. यह शरीर में पानी की कमी को दूर करता है और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद करता है. इसके अलावा, आम में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है.

आम का नियमित सेवन त्वचा और आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है. इसमें मौजूद विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होता है, जबकि विटामिन सी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है. गर्मी में अक्सर त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है, ऐसे में आम का सेवन त्वचा को नमी और पोषण देता है.

कटहल की लाभदायक खेती

सालाना 1 लाख से 3 लाख रुपये तक का मुनाफा

कटहल (कठल) की खेती भारत के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों (गर्म और सामान्य मौसम वाले इलाके) में बहुत लाभकारी मानी जाती है. इसकी खेती करने के लिए सबसे पहले उपयुक्त जलवायु और मिट्टी का चयन जरूरी होता है. कटहल के पौधे के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु अच्छी होती है तथा 20 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त रहता है. इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट या बलुई दोमट मिट्टी सबसे बेहतर होती है, जिसका मान लगभग 6 से 7.5 के बीच होना चाहिए. पौध रोपण के लिए जून-जुलाई (बरसात के मौसम) का समय सबसे अच्छा माना जाता है. खेत में

गड्ढे लगभग 1 मीटर गहरे और चौड़े खोदकर उनमें गोबर की खाद और मिट्टी मिलाकर भर दी जाती है, फिर स्वस्थ और प्रमाणित पौधों को लगाया जाता है.

कटहल की खेती में सिंचाई का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है. शुरुआती अवस्था में पौधों को नियमित पानी देना जरूरी होता है, लेकिन बड़े होने के बाद यह पौधा सूखा सहन कर सकता है. साथ ही समय-समय पर खाद और उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए, जैसे गोबर की खाद, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश. पौधों की छंटाई (प्रूनिंग) करने से उनकी वृद्धि बेहतर होती है और उत्पादन बढ़ता है. कीट और रोग नियंत्रण के लिए जैविक या रासायनिक उपाय अपनाए जा सकते हैं.

कटहल के पेड़ लगभग 3 से 4 साल में फल देना शुरू कर देते हैं और 8 से 10 साल में पूरी तरह उत्पादन देने लगते हैं. एक पेड़ से साल में 50 से 200 तक फल मिल सकते हैं, जिनका वजन भी काफी अधिक होता है. बाजार में कटहल की अच्छी मांग रहती है, खासकर शहरों और प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में. यदि सही तरीके से खेती की जाए तो एक एकड़ से सालाना 1 लाख से 3 लाख रुपये तक का मुनाफा कमाया जा सकता है.

जहां तक लागत की बात है, कटहल की खेती में शुरुआती खर्च थोड़ा अधिक होता है क्योंकि इसमें पौधे, गड्ढे की तैयारी, खाद, सिंचाई और देखभाल शामिल होती है.

सही बकरी पालन और देखभाल के तरीके

बकरी पालन ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि इसमें कम लागत में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है. सही तरीके से बकरी पालन करने के लिए सबसे पहले अच्छी नस्ल का चयन करना जरूरी होता है, जैसे जमुनापारी, सिरोही या बीटल नस्ल, जो अधिक दूध और अच्छे वजन के लिए जानी जाती हैं. बकरियों के लिए साफ-सुथरा, सूखा और हवादार बाड़ा होना चाहिए, जिससे वे बीमारियों से बची रहें. बाड़े में पानी निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और समय-समय पर सफाई करना बहुत जरूरी है.

बकरियों के खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. उन्हें हरा चारा, सूखा चारा और संतुलित आहार देना चाहिए, जिसमें दाना, खली और खनिज मिश्रण शामिल हों. साफ और ताजा पानी हमेशा उपलब्ध होना चाहिए. छोटे बच्चों (मेढ़ों) को जन्म के तुरंत बाद मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाना बहुत जरूरी होता है, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. बकरियों को रोजाना खुले में चरने के लिए छोड़ना भी फायदेमंद होता है, इससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है.

स्वास्थ्य प्रबंधन बकरी पालन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. समय-समय पर टीकाकरण कराना चाहिए ताकि बकरियों को खतरनाक बीमारियों से बचाया जा सके.

लागत की बात करें तो बकरी पालन में शुरुआती खर्च बाड़ा बनाने, बकरी खरीदने और चारे पर होता है. लेकिन सही प्रबंधन के साथ यह एक लाभकारी व्यवसाय बन सकता है. दूध, मांस और बच्चों की बिक्री से अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है. इस प्रकार, यदि वैज्ञानिक तरीके और नियमित देखभाल अपनाई जाए तो बकरी पालन एक सफल और स्थायी आय का स्रोत बन सकता है.

टिंडे में डाउनी मिल्ड्यू का खतरा

हाल ही में टिंडा की फसल में एक गंभीर रोग का खतरा देखा जा रहा है, जिसे डाउनी मिल्ड्यू कहा जाता है. यह एक फफूंद जनित रोग है जो खासकर नमी और अनुकूल मौसम में तेजी से फैलता है. कई किसान इसकी शुरुआती पहचान नहीं कर पाते और इसे पोषक तत्वों की कमी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बाद में फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ता है. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते इस रोग की पहचान और नियंत्रण नहीं किया गया तो पूरी फसल प्रभावित हो सकती है और उत्पादन में काफी गिरावट आ सकती है.

इस रोग के मुख्य लक्षण पत्तियों पर दिखाई देते हैं. शुरुआत में पत्तियों की ऊपरी सतह पर हल्के पीले रंग के धब्बे बनते हैं. धीरे-धीरे पत्तियों की निचली सतह पर भूरे या बैंगनी रंग की फफूंद जैसी परत नजर आने लगती है. जैसे-जैसे रोग बढ़ता है, पौधे कमजोर होने लगते हैं और उनकी वृद्धि रुक जाती है. अंततः इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है और किसान को आर्थिक नुकसान होता है.

विशेषज्ञों का कहना है कि इस रोग से बचाव के लिए समय पर उचित उपाय करना बेहद जरूरी है. इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल नामक दवा का उपयोग प्रभावी माना गया है. लगभग 300 ग्राम दवा को 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल तैयार किया जाता है, जो एक एकड़ क्षेत्र के लिए पर्याप्त होता है. इस घोल का छिड़काव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि दवा पत्तियों की ऊपरी और निचली दोनों सतहों तक अच्छी तरह पहुंचे, ताकि रोग पूरी तरह नियंत्रित हो सके.किसानों के लिए कुछ जरूरी सावधानियां भी बताई गई हैं. बारिश या सिंचाई के बाद फसल की नियमित जांच करनी चाहिए, खासकर पत्तियों की निचली सतह पर ध्यान देना चाहिए.

इस प्रकार, सही समय पर पहचान और उपचार से टिंडा की फसल को डाउनी मिल्ड्यू जैसे खतरनाक रोग से बचाया जा सकता है. किसानों को जागरूक रहकर नियमित निगरानी और वैज्ञानिक तरीकों का पालन करना चाहिए, जिससे फसल सुरक्षित रहे और अच्छा उत्पादन प्राप्त हो सके.